सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
RNI No: UPHIN/2023/86769
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews
मूल्यः ₹ 02
सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, मंगलवार, 05 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 208, पृष्ठः 8+4

ट्रंप को भारत का करारा जवाब » Pg 12

इनसाइड पट्टे पर मिली जमीन कब्जा करने की कोशिश... » Pg 04

लापरवाही : लाल किले में डमी बम डिटेक्ट नहीं कर पाए पुलिसकर्मी

7 सस्पेंड, स्पेशल टीम सादे कपड़ों में थी, मॉक-ड्रिल किया था

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किले की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी एक डमी बम का पता नहीं लगा पाए। इसके बाद कॉन्स्टेबल और हेड कॉन्स्टेबल समेत सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। घटना 2 अगस्त की है। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम को लेकर पुलिस रोजाना अभ्यास करती है। स्पेशल सेल की एक टीम शनिवार को सादे कपड़ों में मॉक ड्रिल के लिए पहुंची थी। वे अपने साथ एक नकली बम लेकर लाल किले में दाखिल हुए।

उस समय, लाल किले की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी बम डिटेक्ट नहीं कर सके। पुलिसकर्मियों को सुरक्षा में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित कर दिया गया है। लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह आयोजित होता है। इसमें पीएम मोदी देश को संबोधित करते हैं।

2 अगस्त से 16 अगस्त तक नो फ्लाई जोन : दिल्ली पुलिस आयुक्त एसबीके सिंह ने स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले सुरक्षा उपायों के तहत 2 अगस्त से 16 अगस्त तक लाल किले को नो फ्लाई जोन घोषित किया है। बयान के मुताबिक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत पैरा-ग्लाइडर, पैरा-मोटर्स, हैंग-ग्लाइडर, यूएवी, यूएएस, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, रिमोट से संचालित एयरक्राफ्ट, हॉट एयर बैलून, छोटे आकार के एयरक्राफ्ट उड़ाने पर रोक रहेगी। परंपरा के अनुसार भारत के प्रधानमंत्री स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली के लाल किले पर तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्र को संबोधित करते हैं। यह लगातार 12वीं बार है, जब पीएम मोदी स्वतंत्रता दिवस पर भाषण देंगे। इसके साथ ही वे जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे प्रधानमंत्री बनेंगे।

बम मिलने पर स्निफर डॉग्स भौंकेंगे नहीं, पूंछ हिलाएंगे

दिल्ली पुलिस डॉग स्क्वॉड ने भी स्वतंत्रता दिवस के लिए स्निफर डॉग्स को खास ट्रेनिंग दी है। 27 जुलाई को स्क्वॉड प्रभारी सब-इंस्पेक्टर जितेंद्र डोगरा ने बताया था कि कुत्तों को अब विस्फोटकों का पता चलने पर चुपचाप प्रतिक्रिया करने, जैसे अपनी पूंछ हिलाना या अपने हैंडलर की ओर देखने के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है। क्योंकि कुछ प्रकार के विस्फोटक भौंकने जैसी तेज आवाज से भी एक्टिव हो सकते हैं। दिल्ली पुलिस डॉग स्क्वॉड के पास फिलहाल 64 कुत्ते हैं। 58 विस्फोटकों का पता लगाने के लिए, 3 नशीले पदार्थों का पता लगाने के लिए और 3 अपराधियों का पता लगाने के लिए ट्रेंड हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी धार्मिक पर्यटन नगरी बनी

प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या ने रचा इतिहास

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या ने विश्व के सबसे बड़े धार्मिक स्थलों मक्का और वेटिकन सिटी को पीछे छोड़ते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, बीते वर्ष अयोध्या में 16 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे, जबकि मक्का में लगभग 1 करोड़ और वेटिकन सिटी में करीब 90 लाख श्रद्धालु दर्ज किए गए। रामनगरी ने न सिर्फआस्था बल्कि आर्थिक दृष्टिकोण से भी ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। 2020 में जहां पूरे वर्ष अयोध्या में 61 लाख श्रद्धालु आए थे, वहीं 2024 में यह आंकड़ा 25 गुना बढ़कर 16 करोड़ के पार पहुंच गया। इससे अयोध्या ने विश्व धामिज़्क पर्यटन मानचित्र पर सर्वोच्च स्थान हासिल कर लिया है।

बढ़ेंगी मुश्किलें हलका के लेखपाल अखिलेश कुमार की तहरीर पर दर्ज हुई एफआईआर

कुर्क खेत में धान रोपाई करने पर पूर्व विधायक विजय मिश्रा की पत्नी समेत पांच नामजद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। प्रयागराज में गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क किए गए खेत में धान की रोपाई करने पर पूर्व विधायक विजय मिश्रा की पत्नी रामलली समेत पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। लेखपाल की तहरीर पर हंडिया पुलिस ने यह कार्रवाई की। आरोप है कि आरोपियों ने अवैध रूप से खेत में धान की रोपाई की और जब्त किए मकान पर पशुओं को बांध दिया था।

गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क किए खेत में धान की रोपाई करने वालों के खिलाफ आखिरकार मुकदमा दर्ज हो गया। लेखपाल अखिलेश कुमार यादव की तहरीर पर हंडिया पुलिस ने ज्ञानपुर भदोही के पूर्व विधायक विजय मिश्रा की पत्नी रामलली, उसके सहयोगी सतीश मिश्रा, आशीष मिश्रा, प्रेमशंकर मिश्रा उर्फ बऊ और बिंदो देवी को नामजद किया गया है। जांच में यह भी पता चला है कि जब्त किए गए मकान पर टिनशेड डालकर मवेशियों को भी बांध दिया गया था। ज्ञानपुर भदोही के पूर्व विधायक विजय मिश्रा के खिलाफ वर्ष 2003 में मुकदमा लिखा गया था। उस मामले में विजय मिश्रा की गिरफ्तारी न होने पर पुलिस ने जब्तीकरण की कार्रवाई की थी, इसमें खपटिहा स्थित खेत और मकान भी था। जमीन पिछले कई वर्षों से परती पड़ी थी, लेकिन इस बार किसी ने उसमें धान की रोपाई कर दी। फसल बढ़ने लगी तो इसकी जानकारी अधिकारियों को हुई, जिसके बाद शनिवार को नष्ट करने की कार्रवाई की गई। खेत के पास एक ट्रैक्टर को पकड़ा गया, जिसे सीज कर दिया गया। सोमवार को हंडिया के लेखपाल अखिलेश कुमार यादव ने पुलिस को तहरीर दी। इसमें कहा गया है कि गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में 24 अक्तूबर 2009 में खपटिहा गांव में स्थित पूर्व विधायक और उसकी पत्नी रामलली मिश्रा की जमीन व दो मंजिला मकान कुर्क किया गया था। एसडीएम हंडिया को दोनों संपत्तियों का प्रशासक नियुक्त किया गया था। जांच में पता चला कि रामलली मिश्रा व उसके सहयोगी सतीश मिश्रा, आशीष मिश्रा, प्रेमशंकर मिश्रा ने खेत की जोताई कराकर धान की रोपाई कराई थी। मकान टिनशेड लगाकर बिंदु देवी पत्नी मनीष मिश्रा पशुओं को बांध रही थी। इसी आधार पर सभी के खिलाफ मुकदमा लिखा गया है। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत का कहना है कि लेखपाल की तहरीर पर रामलली समेत पांच के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

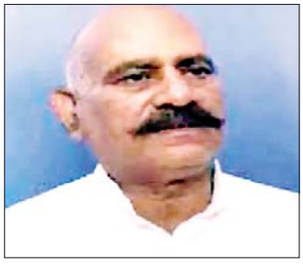

आईजीआरएस शिकायत निस्तारण में फिर नंबर-1 बना कानपुर जोन

एडीजी आलोक सिंह के नेतृत्व में रचा रिकॉर्ड

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।उत्तर प्रदेश शासन की जनसुनवाई समाधान प्रणाली (आईजीआरएस) के अंतर्गत जनता की शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण में कानपुर जोन पुलिस ने एक बार फिर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। शासन द्वारा जुलाई 2025 माह के लिए जारी नवीनतम मूल्यांकन रिपोर्ट में कानपुर जोन, साथ ही इसके अंतर्गत आने वाले कानपुर एवं झांसी परिक्षेत्र, प्रदेश में अव्वल घोषित किए गए हैं।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय जाता है एडीजी आलोक सिंह के कुशल एवं पारदर्शी नेतृत्व को, जिनकी ईमानदार छवि और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता पूरे प्रदेश में चर्चित रही है। एडीजी आलोक सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने जनशिकायतों के विधिक और संवेदनशील निस्तारण में नया मानक स्थापित किया है।

उल्लेखनीय है कि सितंबर 2024 से जुलाई 2025 तक के पिछले 11 महीनों में कानपुर जोन ने लगातार प्रथम रैंक हासिल की है। यह निरंतर सफलता दर्शाती है कि जोन की पुलिस न केवल जनभावनाओं के प्रति संवेदनशील है, बल्कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रभावी, पारदर्शी एवं जनहितकारी कार्यप्रणाली अपनाकर लोगों का विश्वास भी मजबूत कर रही है।

एडीजी आलोक सिंह ने इस अवसर पर सभी परिक्षेत्रीय अधिकारियों, थाना प्रभारियों और टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा, जनशिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ही पुलिस की साख को मजबूत करता है। इससे जनता को समय पर न्याय भी मिलता है और पुलिस व्यवस्था के प्रति विश्वास भी बढ़ता है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आईजीआरएस प्लेटफॉर्म पर आने वाली शिकायतों का त्वरित निस्तारण केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है।

जनसुनवाई में कानपुर जोन की यह लगातार सफलता न केवल शासन के विश्वास का प्रतीक है, बल्कि पुलिस प्रशासन की सक्रियता और उत्तरदायित्व की मिसाल भी बन चुकी है।

कानपुर में 'ऑपरेशन महाकाल' की गर्जना - दबंगों की उलटी गिनती शुरू!

» 5 अगस्त से चलेगा बुलडोज़र वाला कानून – अब नहीं बचेगा कोई भूमाफिया!

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने कानपुर में एक बार फिर बड़ा ऑपरेशन लॉन्च किया है। कानपुर पुलिस प्रशासन ने भूमाफियाओं, वसूलीबाजों और सफेदपोश रसूखदारों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी मुहिम का आगाज़ कर दिया है। इस महाअभियान का नाम है - 'ऑपरेशन महाकाल', जो 5 अगस्त से पूरे ज़िले में धधक उठेगा।

'ऑपरेशन महाकाल' का मकसद साफ है – कब्जा छोड़ो या जेल जाओ!अब दो से अधिक शिकायत मिलते ही सीधे मुकदमा दर्ज किया जाएगा। किसी की पहुंच, सिफारिश या रसूख अब उसे बचा नहीं पाएगा। भूमाफिया पोर्टल पर नाम चढ़ते ही गिरफ्तारी और ज़ब्ती की कार्यवाही 15 अगस्त तक सभी थानों को संदिग्धों की पहचान का टास्क

10 सितंबर से शुरू होगा ऑपरेशन का दूसरा चरण – कानूनी और विभागीय शिकंजा

सरकारी कर्मचारियों पर भी कार्रवाई – नौकरी और संपत्ति दोनों खतरे में

जनता को मिला सबसे बड़ा हथियार

अब आम नागरिक भी इस लड़ाई में शामिल होंगे। गोपनीय शिकायत दर्ज कराने के लिए व्हाट्सएप नंबर 9454400688 जारी किया गया है।शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, और वही शिकायत सबसे बड़ा सबूत मानी जाएगी।हर थाने, हर अफसर, हर जोन को ऑपरेशन महाकाल के लिए तैयार रहने के आदेश जारी हो चुके हैं।कानपुर के हर मोहल्ले, गली, और कोने से सूचना जुटाई जा रही है।

जिन्होंने अब तक आम लोगों को डराया – अब वो खुद खौफ में हैं!

'महाकाल' का डंडा उनके सिर पर मंडरा रहा है!

युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान, पत्नी से झगड़े के बाद निकला था

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।नरवल थाना क्षेत्र में पत्नी से हुए झगड़े के बाद एक युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से परिवार में मातम छा गया है, क्योंकि युवक के पिता की तेरहवीं का संस्कार गुरुवार को ही होना था।

कानपुर में नरवल थाना क्षेत्र के करबिगवा रेलवे स्टेशन पर सोमवार शाम चौरी चौरा ट्रेन के आगे कूदकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली थी। मृतक की शिनाख्त सिकटिया गांव निवासी अनिल साहू (30) के रूप में हुई है। इस घटना से

परिवार में मातम छा गया है, क्योंकि युवक के पिता का दसवां संस्कार सोमवार को ही हुआ था और गुरुवार को तेरहवीं होनी थी।

मृतक के भाई नीरज ने बताया कि अनिल की शादी छह महीने पहले ही साढ़ थाना क्षेत्र के बरई गांव की सेजल से हुई थी। अनिल के शराब पीने की आदत की वजह से पति-पत्नी में अक्सर झगड़ा होता था। सोमवार सुबह भी दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद अनिल गुस्से में घर छोड़कर चला गया। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।मृतक की मां ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके पति की तेरहवीं भी नहीं हो पाई थी कि उनके बेटे का भी साथ छूट गया। अनिल साहू दो भाइयों में सबसे छोटा था। पुलिस ने शिनाख्त के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की आगे की जांच कर रही है।

दो दशक पूर्व पट्टे पर मिली भूमि पर कब्जा कराने की कोशिश

तहसील के एक साहब की भूमिका पर उठे सवाल

» स्वराज इंडिया, मुख्य संवाददाता

कानपुर। दो दशक पहले पट्टे पर मिली कृषि योग्य भूमि भूमाफियाओं से मुक्त कराने की जिम्मेदारी ओढ़ने वाले तहसील में तैनात एक साहब मामले में खुद भूमाफियाओं के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। और उल्टे लाभार्थी को तहसील बुलाकर कुछ समझ लेने की हिदायत दे रहे हैं। बिल्हौर देहात ग्रामसभा का ऐसा ही मामला प्रकाश में आया है। जिसे विधानसभा सत्र में उठवाए जाने की तैयारी शुरू हो गई है।

जानकारी के मुताबिक बिल्हौर देहात निवासी नीती को वर्ष 2004 में कृषक भूमि पट्टा आवंटन हुआ था। पट्टों को लेकर 2007 से 2011 के बीच (रामप्रकाश बनाम बलवीर /सत्यप्रकाश आदि अंतर्गत धारा 333 जेड. ए एंड एल.आर एक्ट) जिलाधिकारी से लेकर आयुक्त तक मुकदमा चल चुका है। जिसमें आवंटियों को हुए पट्टे बहाल रखे गए। उसके बाद आवंटी की जमीन पर बिल्हौर के कई भू माफियाओं की नजर लग गई। जिसमें बिल्हौर के सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष की भी नीयत खराब रही है और वे आवंटित भूमि पर कब्जा करने का प्रयास करने लगे। जिसे लेकर प्रार्थिनी नीती ने वर्ष 2014 में नेता विरोधी दल विधानसभा उत्तर प्रदेश स्वामी प्रसाद मौर्य के माध्यम से विधानसभा में प्रश्न उठवाया और तत्कालीन मुख्यमंत्री से मामले की शिकायत की थी। जिस पर तत्कालीन मुख्यमंत्री ने संज्ञान लेकर तत्काल जिलाधिकारी से जांच कराकर रिपोर्ट शासन को भेजने को पत्र लिखा था। इसके जवाब में तत्कालीन उपजिलाधिकारी बिल्हौर ने जांच कराकर गाटा स. 1032/0.031 हे. व 1033/0.031 हे. भूमि की जिलाधिकारी के माध्यम से जांच रिपोर्ट शासन को भेजी थी। जिसमें स्पष्ट रूप से लिखा गया कि यह जमीन नीती पत्नी अनूप कुमार की है और नीति पत्नी अनूप कुमार का ही जमीन पर कब्जा व दखल भी है। इसके बाद भूमि संक्रमणीय हो गई।अप्रैल 2017 में प्रार्थिनी ने खाता स. 1275 की गाटा स. 1032 व 1033 को धारा 80 यू.पी.सी. 2006 के अंतर्गत अकृषक घोषित कराई और अपनी भूमि किसी तरह बचाकर रख पाई । भूमि पर आज तक मेरा कब्जा व दखल है। अब पुनः मेरी आवासीय घोषित भूमि पर क्षेत्र के भूमाफियाओं की नजरें टेढ़ी हैं। वर्ष 2004 में आवंटित हुए पट्टों को कुछ लोग अपने चहेते किसी शिवप्रसाद पुत्र गोपाल निवासी रहमतपुर जो कि अनुसूचित जाति का है , से फर्जी शिकायत कराकर फर्जी कागजात बनवाकर कब्जा कराने का प्रयास करा रहे हैं।आरोप है जिसे तहसील में तैनात एक साहब के द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है। आरोप है कि बीती 31 जुलाई में यह साहब ने मेरे पति अनूप कुमार को रहमतपुर लेखपाल से फोन कराकर ऑफिस बुलवाया और अपने मनमाफिक बयान लिखवाकर हस्ताक्षर करवा लिए और बोले इन्हें रुपए देकर समझौता कर लो नहीं तो यह तुम्हे एससी /एसटी मुकदमे में फंसा देंगे। और अपनी जमीन के जो पेपर तुम्हारे पास हों वह हमें दे दे। बकौल नीती साहब की भाषा शैली ठीक नहीं थी। आरोप है उन्होंने मेरे पति को बहुत हड़काया और पट्टा निरस्त कराने की धमकी भी दी। जिस पर मेरे पति ने शासन को जवाब में भेजी गई जांच रिपोर्ट की प्रति सहित अपर आयुक्त कानपुर न्यायालय के निर्णय और इंतखाब खतौनी की प्रतियां उन्हीं साहब को दे दीं। मेरे पति को पुनः 4 जुलाई को फोन करके तहसील के एक ऑफिस में बुलाया गया। कहा कि ऑफिस आओ दूसरी पार्टी आई हुई है उससे समझौता कर लो। 31 अगस्त को उनके साथ हुई घटना के कारण वह डर कर ऑफिस नहीं गए। मेरे पति के साथ कभी भी कोई अप्रिय घटना हो सकती है। कुछ लोग मेरे प्लॉट पर कब्जा कराना चाह रहे हैं।

कार्यालय आयुक्त पत्रांक 337/ दिनांक 10/3/

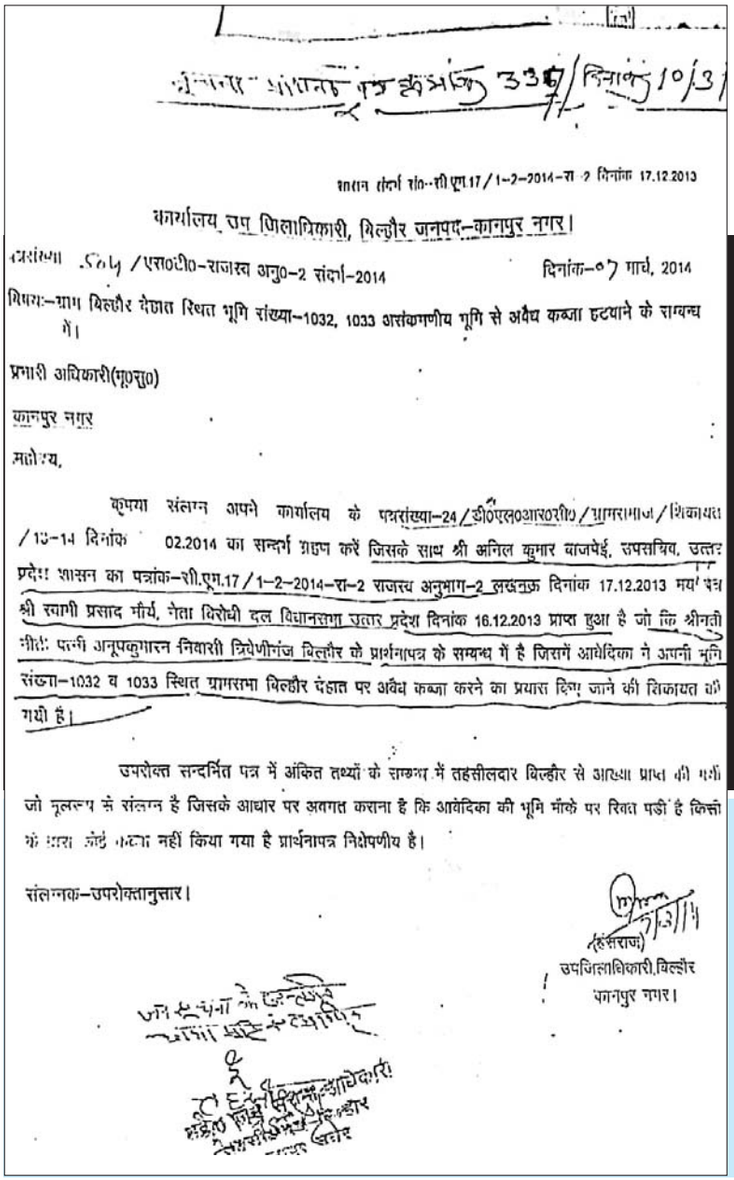

शासन संदर्भ सं0-सी.एम.17/1-2-2014-रा-2 दिनांक 17.12.2013

कार्यालय उप जिलाधिकारी, बिल्हौर जनपद-कानपुर नगर।

पत्रसंख्या 504 /एस0डी0-राजस्व अनु0-2 संदर्भ-2014 दिनांक-07 मार्च, 2014

विषयः-ग्राम बिल्हौर देहात स्थित भूमि संख्या-1032, 1033 असंक्रमणीय भूमि से अवैध कब्जा हटवाने के सम्बन्ध में।

प्रभारी अधिकारी(भू0रा0)

कानपुर नगर

महोदय,

कृपया संलग्न अपने कार्यालय के पत्रसंख्या-24/डी0एल0आर0सी0/प्रागराज/शिकायत /13-14 दिनांक 02.2014 का सन्दर्भ ग्रहण करें जिसके साथ श्री अनिल कुमार बाजपेई, उपसचिव, उत्तर प्रदेश शासन का पत्रांक-सी.एम.17/1-2-2014-रा-2 राजस्व अनुभाग-2 लखनऊ दिनांक 17.12.2013 मय पत्र श्री स्वामी प्रसाद मौर्य, नेता विरोधी दल विधानसभा उत्तर प्रदेश दिनांक 16.12.2013 प्राप्त हुआ है जो कि श्रीमती नीती पत्नी अनूपकुमार निवासी त्रिवेणीगंज बिल्हौर के प्रार्थनापत्र के सम्बन्ध में है जिसमें आवेदिका ने अपनी भूमि संख्या-1032 व 1033 स्थित ग्रामसभा बिल्हौर देहात पर अवैध कब्जा करने का प्रयास किए जाने की शिकायत की गयी है।

उपरोक्त सन्दर्भित पत्र में अंकित तथ्यों के सम्बन्ध में तहसीलदार बिल्हौर से आख्या प्राप्त की गयी जो मूलरूप से संलग्न है जिसके आधार पर अवगत कराना है कि आवेदिका की भूमि मौके पर रिक्त पड़ी है किसी के द्वारा कोई कब्जा नहीं किया गया है प्रार्थनापत्र निक्षेपणीय है।

संलग्नक-उपरोक्तानुसार।

(हंसराज)
उपजिलाधिकारी,बिल्हौर
कानपुर नगर।

» पीड़िता नीती बोली विधानसभा में इस मामले को दोबारा उठवाएंगे

» आवंटित भूमि धारा 80 यू पी सी 2006 के अंतर्गत 2017 में हुई अकृषक घोषित

आखिर इतना मेहरबान क्यों हुए साहब!

कानपुर। लाभार्थी नीती का दो टूक कहना है कि जमीन मेरे नाम आवंटित हुई थी जिस पर मेरा अधिकार है। मेरे पति से बयान लिखवाकर तहसील के एक साहब ने क्यों हस्ताक्षर कराए। जबकि उन्हें चाहिए था कि जो फर्जी और कूटरचित पेपर बनाकर शिकायत कर रहा है। उसकी जांच कर फर्जी पेपर बनाने वाले और प्रयोग करने वाले के खिलाफएफआईआर दर्ज कराते। लेकिन वह जो सही है उसी को धमकाने का काम कर रहे है। सवाल इस बात का है कि यह साहब शिकायतकर्ता पर इतना मेहरबान क्यों हो गए हैं।जांच तो इसकी भी कराए जाने की जरूरत है। उनका कहना है कि आए दिन भू माफिया लोगों के द्वारा किए जा रहे कब्जे के प्रयास और मुकदमेबाजी के कारण मैं परेशान हो चुकी थीं। जिसके कारण हमें अपनी जमीन बचाना मुश्किल हो रहा था और मजबूरन हमें अपनी जमीन बेचनी पड़ी। अब मात्र एक प्लॉट 93 वर्ग गज का बचा है। जिस पर भूमाफिया पुनः सक्रिय हो गए हैं ।

फर्जी वाद दाखिल करने वाले पोल खुलने पर हाइकोर्ट से लिए थे खिसक

कानपुर। भू माफिया जब भूमि पर कब्जा करने में सफल नहीं हुए तो उन्होंने पुनः वर्ष 2011 में हुए अपर आयुक्त न्यायालय के आदेश के सात वर्षो के बाद वादी बलवीर के फर्जी हस्ताक्षर से हाईकोर्ट में मुकदमा कर दिया। यह बात जब वादी को पता चली तो उसने बलवीर से बात की और फिर बलवीर ने हाईकोर्ट में स्वयं उपस्थित होकर बयान दिया कि हमने नीती के विरुद्ध कोई वाद उच्च न्यायालय में दाखिल नहीं किया है और न ही अब हम कोई वाद नीती के खिलाफ करना चाहते हैं। अपनी पोल खुलती देख वाद कराने वाले हाईकोर्ट से भाग खड़े हुए ।

सम्पादकीय

वैवाहिक विवादों में अब होगी सबूत

संक्रमणकाल से गुजर रहे भारतीय समाज में पति-पत्नी के दरकते रिश्ते समाजविज्ञानियों के लिए चिंता का विषय हैं। आये दिन विभिन्न अदालतों में ऐसे मामलों से जुड़े विवाद मीडिया की सुर्खियां बनते रहते हैं। निस्संदेह, भारतीय समाज में पहले ऐसे मामले कम ही नजर आते थे और विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा जाता रहा है। यहां तक कि हिंदू विमर्श में तलाक शब्द का कोई सटीक पर्यायवाची भी नहीं मिलता। लेकिन इधर रिश्तों में लगातार बढ़ता अविश्वास, अलगाव व विवाद वर्तमान समय की हकीकत है। बल्कि पिछले दिनों एक न्यायाधीश को यहां तक कहना पड़ा कि वैवाहिक विवादों के बोझ से न्यायिक प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है। इसी क्रम में पिछले दिनों पति-पत्नी के विवाद में गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई फोन कॉल को साक्ष्य मानने की बात सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवादों से जुड़े एक अहम फैसले में कहा है कि पति या पत्नी द्वारा गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई टेलीफोन बातचीत अब एक सबूत के तौर पर स्वीकार होगी। शीर्ष अदालत का कहना था कि इस तरह की रिकॉर्डिंग फैमिली कोर्ट में एक अहम सबूत के तौर पर स्वीकार की जा सकती है। दरअसल, इस बाबत पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा दिए गए एक फैसले के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को ही रद्द कर दिया। दरअसल, पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट का इस बाबत मानना था कि किसी पक्ष की जानकारी के बिना उसकी बातचीत को रिकॉर्ड करना उसकी निजता का उल्लंघन होगा। उच्च न्यायालय का तर्क था कि इस रिकॉर्डिंग को फैमिली कोर्ट में साक्ष्य के तौर पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय का कहना था कि आमतौर पर पति-पत्नी सामान्य तौर पर या आवेश में खुलकर बात करते हैं। उन्हें इस बात का भान नहीं होता कि कहीं उनकी बात रिकॉर्ड हो रही है या उनकी बातचीत भविष्य में अदालत में साक्ष्य की तौर पर पेश की जा सकती है।अपने तर्क के समर्थन में पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने कुछ न्यायिक फैसलों का भी जिक्र किया था। खासकर आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के एक फैसले का उल्लेख किया गया था, जिसमें कहा गया था कि पति-पत्नी की सहमति के बिना बातचीत को रिकॉर्ड करना निजता का उल्लंघन है। साथ ही गैर-कानूनी भी है। इस तरह के साक्ष्य को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने उन दलीलों को अस्वीकार्य किया कि जिसमें कहा गया था कि इस तरह के साक्ष्य की अनुमति देने से घरेलू सौहार्द व वैवाहिक रिश्तों पर आंच आएगी। यह भी कि इससे समाज में पति-पत्नी की जासूसी की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही साक्ष्य अधिनियम का भी अतिक्रमण होगा। शीर्ष अदालत की पीठ का इस बाबत कहना था कि अदालत में पहुंचे रिश्ते इस बात का पर्याय हैं कि दोनों के रिश्ते सहज व सामान्य नहीं हैं।

दूरगामी रणनीति से बनेंगे पड़ोसियों से अच्छे संबंध

क्षमा शर्मा

हमें दुश्मनों, आगे उनके दोस्तों और उनकी क्षमताओं की भी अच्छी समझ बनाए रखनी होगी। हम स्वीकारें कि इस मामले में, फिलहाल हम लगभग अकेले पड़े हैं, और दोस्तों और हमारे सशस्त्र बलों के लिए पर्याप्त संसाधनों के बिना इस विशाल काम का सामना करना मुश्किल होगा।

क्या कश्मीर समस्या 'सुलझ' गई है? एक पूर्ण युद्ध की कगार से वापसी कर, शांति और सुकून की मौजूदा घड़ी बनने तक का यह बदलाव अचानक हुआ। दो परमाणु शक्ति संपन्न ताकतें एक-दूसरे पर बमबारी, ड्रोन हमले, लड़ाकू विमान और नौसेना तैनात करने और सैन्य टुकड़ियों को सक्रिय करते-करते अचानक से युद्धविराम करते हुए, जीत के आपसी दावे तक पहुंच गईं।

जो लोग अंजान हैं, उनके लिए, जैसे पहले स्थिति बनी, फिर पैमाना बढ़ा और फिर अचानक युद्धबंदी हो गई, उन्हें हैरानी हुई होगी- क्या दोनों पक्ष सिर्फ़ नए हथियारों का परीक्षण कर रहे थे ? मगर जानकार के लिए, यह किसी पुराने नाटक का एक अन्य दृश्य है, ऊंचे कोरस गायन सहित। आज़ादी के बाद से, हमने चार युद्ध लड़े हैं व पाक के साथ अनेकानेक झड़पें हुई हैं। विभाजन सांप्रदायिक आधार पर हुआ, और खूनी संघर्ष एवं घृणा की नींव बना, जिस पर बाद के टकराव आधारित रहे। जम्मू और कश्मीर भारत का एकमात्र मुस्लिम बहुल राज्य है जो कि अब केंद्रशासित प्रदेश है। पाक पूरा कश्मीर पाना चाहता है। यह तथ्य कि पाक के कब्जे वाले कश्मीर सहित, यह इलाका सामरिक रूप से चार मुल्कों (अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन और भारत) के संगम पर स्थित है, जो इसे और वांछनीय बनाता है।चीनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई), जिसे नया सिल्क रोड कहा जाता है, उसकी धुरी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा है, जो कि चीन के शिनजियांग को, पीओके से होकर, ग्वादर से जोड़ता है। यह गलियारा चीनी माल की भूमार्गीय पहुंच मध्य एशियाई देशों से यूरोप तक बनाता है। यह सड़क चीन को बारास्ता ग्वादर तट, आगे समुद्री मार्ग से मध्य पूरबी मुल्कों से भी जोड़ती है। बीआरआई में चीनी अनुबंध और निवेश 124 बिलियन डॉलर का है, जिसमें इस साल की पहली छमाही में 176 से अधिक के अनुबंध हुए हैं। जिससे परियोजना में निवेश 1.3 ट्रिलियन डॉलर हो गया। सबसे ज्यादा निवेश अफ़्रीका व मध्य एशिया में हुआ है लिहाजा, कोई आश्चर्य नहीं कि चीन बार-बार पाक सरकार को अपना अगाध समर्थन देता है। हालिया टकराव में भी पाक द्वारा कथित तौर पर चीन निर्मित लड़ाकू विमान, मिसाइलें, संचार, निगरानी उपग्रह और सुरक्षा प्रणालियों का इस्तेमाल किया गया।

मीडिया और बुद्धिजीवियों के उन वर्गों के लिए, जो पाक को एक दिवालिया और आसानी से हराया जाने वाला देश बताते रहते हैं- उनका भू-राजनीति की वास्तविक दुनिया में स्वागत है। पाक उस व्यावसायिक फर्म की तरह है जो कहने को तो अध्याय 11 (दिवालियापन संहिता) में आती हैं, लेकिन अपने देनदारों से तालमेल बिठाते हुए और व्यवस्था से खेल करते हुए, संभावित दाताओं के समक्ष खुद को कैसे पेश करना है, बखूबी जानते हैं।हालिया सैन्य टकराव का पैमाना विस्तारित होकर, लड़ाई के कहीं अधिक जटिल पटल तक फैल गया था।

विकास की आकांक्षाओं के लिए परिवर्तन की बयार

उत्तराखंड पंचायत चुनाव

डा0 जगदीप सिंह

इस बार उत्तराखंड से यह खबर इसलिए खासतौर पर सुर्खियों में है क्योंकि इन चुनावों में सरकारी सेवा से ससम्मान रिटायर होने वाले शिक्षक, प्रधानाचार्य और पुलिस व सेना के ऐसे वरिष्ठ अधिकारीगण शामिल हैं जिनका अब से पहले राजनीति से कोई लेना-देना नहीं रहा है और जो अपने पैतृक गांव लौटकर ग्राम प्रधान के रूप में उसके विकास का सपना मन में पाले हुए हैं।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर उत्तराखंड में इस बार माहौल कुछ अलग तरह का नजर आ रहा है। अब जनता लोकतंत्र की इस सबसे छोटी इकाई के माध्यम से राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव की उम्मीद पाल रही है और इसमें सामान्य ग्रामीण जन से लेकर बौद्धिक और शिक्षित वर्ग तक की महत्वपूर्ण सहभागिता दिख रही है। गौरतलब है कि इस बार गांवों में बड़ी संख्या में निर्विरोध ग्राम प्रधान चुने गये हैं। यही नहीं, उससे ऊपर क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत सदस्य भी इसमें शामिल हैं। बताया जा रहा है कि 20,820 ग्राम पंचायत सदस्यों समेत कुल 22,429 प्रत्याशी निर्विरोध चुने गये हैं। इनमें 1361 ग्राम प्रधान, 240 क्षेत्र पंचायत सदस्य और आठ जिला पंचायत सदस्य शामिल हैं।

हालांकि, पंचायत चुनाव में जनप्रतिनिधियों का निर्विरोध चुना जाना कोई नई बात नहीं है लेकिन इस बार उत्तराखंड से यह खबर इसलिए खासतौर पर सुर्खियों में है क्योंकि इन चुनावों में सरकारी सेवा से ससम्मान रिटायर होने वाले शिक्षक, प्रधानाचार्य और पुलिस व सेना के ऐसे वरिष्ठ अधिकारीगण शामिल हैं जिनका अब से पहले राजनीति से कोई लेना-देना नहीं रहा है और जो अपने पैतृक गांव लौटकर ग्राम प्रधान के रूप में उसके विकास का सपना मन में पाले हुए हैं।

परिवर्तन की यह बयार गढ़वाल क्षेत्र के सुदूर उत्तरकाशी और भिलंगना घाटी से लेकर कुमाऊं के चंपावत और पिथौरागढ़ तक बह रही है। रिवर्स पलायन की इससे बड़ी नजीर भला और क्या हो सकती है! निर्विरोध चुने गये 1361 ग्राम प्रधानों में सबसे ज्यादा खबरों में दो नाम ऐसे हैं जो सेना और पुलिस विभाग में बहुत ही ऊंचे पद से रिटायर होने के बाद अपने सुविधाहीन गांवों में लौट आये हैं जबकि ये भी दिल्ली, देहरादून या किसी सुविधा-संपन्न महानगर में आराम की जिंदगी बसर कर सकते थे। रिवर्स पलायन के विचार को व्यावहारिक धरातल पर उतारते हुए अपने गांव में बसने का निर्णय ले अब ये गांव वालों की आम सहमति से ग्राम प्रधान बन विकास के लिए प्रतिबद्ध दिखते हैं। इनमें पहला नाम है सेना से रिटायर हुए कर्नल यशपाल नेगी का। पौड़ी जिले के बीरोंखाल ब्लाक के वीरगणा गांव के मूल निवासी कर्नल यशपाल नेगी रिटायर होने के बाद अपने गांव लौटने के लिए कृत संकल्प थे। 2020 में जब वह सपत्नीक गांव लौट अपने बंजर पड़े खेतों को आबाद करने की मंशा से खेती-किसानी में जुट गये तो गांव वालों की खुशी का ठिकाना न रहा।आज कर्नल अपने लहलहाते खेतों के साथ जैविक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं और उनके इस काम में उनकी पत्नी उनसे भी ज्यादा उत्साहित दिखती हैं। कर्नल यशपाल और उनकी पत्नी निःस्वार्थ भाव से गांव के बच्चों को शिक्षा और स्वरोजगार के प्रति भी प्रेरित कर रहे हैं। यही कारण है कि गांव वालों ने उन्हें एकमत से अपना प्रधान चुन लिया है। गुंजी के ग्रामीणों की इच्छा पर उनके ग्राम प्रधान पद के लिए हामी भरने के बाद सभी दावेदारों ने अपने नाम वापस ले लिए और उन्हें निर्विरोध प्रधान चुन लिया। ऐसे ही टिहरी के अमिल्डा गांव ने अवकाशप्राप्त प्रधानाचार्य दिनेश डंगवाल को निर्विरोध अपना प्रधान चुना है। इनके अलावा भी ऐसे बहुत से शिक्षित और जागरूक ग्रामीण निर्विरोध प्रधान चुने गये हैं जिनका अब से पहले राजनीति से कोई सरोकार नहीं रहा है लेकिन अपने गांव के विकास के लिए उनके मन में भरपूर जज्बा है।

रिकॉर्ड तोड़ बारिश के बाद जलभराव से निपटने में जुटा नगर निगम

» नगर आयुक्त ने अफसरों के संग संभाला मोर्चा, कई स्थानों पर किया निरीक्षण

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में सोमवार को हुई असामान्य 39 सेमी वर्षा ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। यह सामान्य से लगभग 4.5 गुना अधिक बारिश दर्ज की गई, जिसके कारण कई इलाकों में जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने स्वयं मोर्चा संभाला और फील्ड में उतरकर राहत कार्यों की निगरानी की।

नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने परमट मंदिर और जूही खलवा पुल समेत जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया और अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके तहत नगर निगम की टीमों को रात्रिकालीन शिफ्ट में भी सक्रिय किया गया, ताकि मुख्य मार्गों पर यातायात सामान्य किया जा सके।

जलनिकासी में झोंकी पूरी ताकत

नगर निगम के करीब 4500 सफाई कर्मचारियों ने गली, मोहल्लों और नालियों की सफाई करते हुए पानी की निकासी का कार्य किया। वहीं अभियंत्रण विभाग की 6 क्विक रिस्पॉन्स टीमों ने जलभराव वाले स्थलों पर पहुंचकर नालों के जाम प्वाइंट्स को साफ कर निकासी सुनिश्चित की।

बारिश के बीच परमिया नाला पॉपिंग स्टेशन पहुंचे नगर आयुक्त सुधीर कुमार

जलकल विभाग की 14 जेटिंग मशीनों की मदद से लो-लाइंग एरिया में जमा पानी को बाहर निकाला गया। साथ ही 22 पंप व मोटरों के माध्यम से मलिन बस्तियों में भी जलनिकासी कराई गई।

सुरक्षित माहौल के लिए गिराऊ मकानों पर नजर

नगर आयुक्त ने बताया कि संवेदनशील और अति-संवेदनशील जर्जर भवनों का व्यक्तिगत निरीक्षण कर बैरिकेटिंग और मुनादी कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। जोनल अधिकारियों और अभियंताओं ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ऐसे मकानों को चिन्हित कर आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए।

पेड़ गिरने की घटनाओं पर भी तुरंत रिस्पॉन्स

उद्यान विभाग की 6 क्विक रिस्पॉन्स टीमों को वार्ड 77, 45, 66, 9, 18, 80, 88 आदि क्षेत्रों में गिरते पेड़ों की सूचनाएं मिलते ही रवाना किया गया। टीमों ने सड़कों से पेड़ों को हटाकर यातायात पुनः सुचारू कराया।

ऑरेंज अलर्ट के मद्देनज़र सतर्कता बढ़ाई गई

नगर निगम ने आगामी 48 घंटों में संभावित भारी बारिश को ध्यान में रखते हुए ऑरेंज अलर्ट के तहत सभी विभागीय टीमों को हाई अलर्ट पर रखा है। सभी टीमों को 24×7 सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।नगर निगम आयुक्त सुधीर कुमार का संदेश है कि नागरिकों को सुरक्षित, स्वच्छ और व्यवस्थित वातावरण देना ही सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसी आपदा स्थितियों में निगम की 24×7 टीम वर्क और तकनीकी संसाधनों के माध्यम से व्यवस्था को बहाल करने का कार्य तेज़ी से किया जा रहा है।

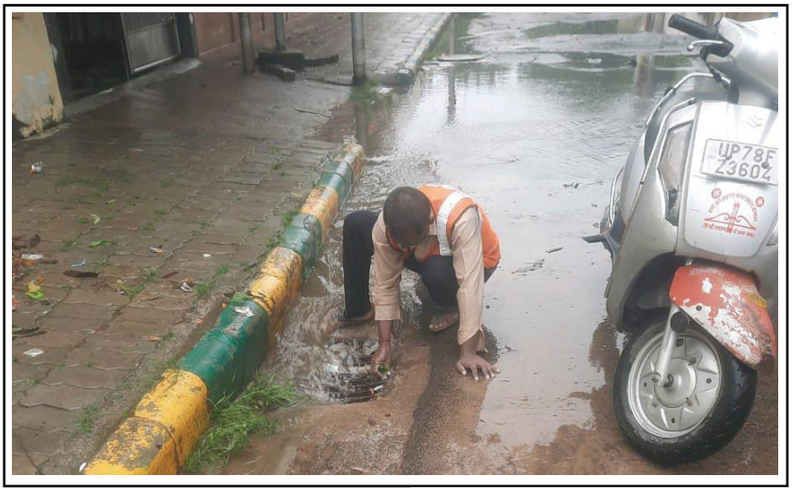

गली पिट की सफाई करता नगर निगम कर्मचारी

72 मिमी बारिश से 100 से अधिक मोहल्लों में भरा पानी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में इस साल की सबसे भारी बारिश ने शहर को अस्त-व्यस्त कर दिया है, जिससे जलभराव, बिजली कटौती और ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ है। इस बारिश के कारण हुए हादसों में तीन लोगों की मौत भी हो गई है और मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में और भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

कानपुर इमें सोमवार को इस वर्ष के मानसूनी सीजन की अभी तक की सबसे ज्यादा 72 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। रविवार रात साढ़े तीन बजे से शुरू हुई बारिश सोमवार तीन बजे तक होती रही। बारिश से शहर के एक तिहाई मोहल्लों में पानी भर गया। जाजमऊ में टीला धसकने से मलबे में दंपती दब गए। महिला की मौत हो गई। घाटमपुर में दीवार और छत ढहने से मलबे में दबकर वृद्धा और बच्चे की मौत हो गई।

रेलवे स्टेशन पर ट्रैक पर पानी भरने से सिग्नल प्रणाली में कुछ दिक्कतें आईं। केस्को के 14 सबस्टेशनों में पानी भरने और 30 से अधिक सबस्टेशनों में फॉल्ट होने से छह से सात घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। बारिश की वजह से शहर के 100 से ज्यादा मोहल्लों में घंटों जलभराव रहा। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि पांच अगस्त को महानगर और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश हो सकती है।भारी बारिश की वजह उत्तर प्रदेश के आसपास के राज्यों में चार चक्रवातों का एक साथ सक्रिय होना बताया जा रहा है।

रामनगरी में छुट्टा जानवरों का आतंक

चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग पर बुजुर्गों की पुकार, नगर निगम की चुप्पी! न आरती सुरक्षित, न आराधना नगर निगम मौन, खतरा बढ़ता ही जा रहा है

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी की पहचान कभी भक्ति व सुरक्षा से होती थी, मगर अब ये गलियाँ छुट्टा जानवरों के आतंक से थर्राने लगी हैं। रामनगर कॉलोनी, चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग जहाँ श्रद्धा की ध्वनि हर शाम आरती में गूंजती है, वहीं अब डर की चीखें भी सुनाई देने लगी हैं।

बुजुर्ग महिला आवाज़ लगाकर राहगीरों से कहती हैं रास्ता दिलवा दो, मैं घर नहीं जा पा रही,बच्चे स्कूल से लौटते समय दौड़ते हैं, कहीं कोई सांड हमला न कर दे गायों-बैलों का झुंड अचानक एक-दूसरे पर टूट पड़ता है और राहगीर बीच में फँस जाते है।

घोसियाना और आसपास के दूध विक्रेताओं द्वारा दूध दुहने के बाद छुट्टा छोड़े गए पशु रोज़ाना कॉलोनी में घुसते हैं। कभी कूड़े के ढेर पर झगड़ते हैं, कभी गली में दौड़ाते हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि नगर निगम के पास इन्हें पकड़ने की व्यवस्था तक नहीं है!

बात दें कि रामनगर कॉलोनी में नित्य आरती चल रही है। और कुछ ही दिनों में पूज्य झूलेलाल चालीहा विजयोत्सव जैसे महाआयोजन होने वाले हैं जहाँ हजारों श्रद्धालु एकत्र होंगे।

अगर किसी श्रद्धालु या साधु पर जानवरों ने हमला कर दिया, तो क्या नगर निगम जिम्मेदारी लेगा?

विश्व प्रकाश रूपन, सामाजिक कार्यकर्ता

हमने महापौर गिरीश पति त्रिपाठी से निवेदन किया है कि कार्रवाई हो, वरना आंदोलन होगा।

जय आहूजा, स्थानीय जनसेवक

अगर समय रहते छुट्टा जानवरों को काबू में नहीं किया गया, तो न केवल श्रद्धा पर चोट होगी, बल्कि अयोध्या की छवि पर भी दाग लगेगा। रामनगर वासियों की मांग है कि चालीहा महोत्सव से पहले पूरी कॉलोनी को 'एनीमल फ्री ज़ोन' घोषित किया जाए।

अयोध्या में स्मार्ट क्लास का स्मार्ट घोटाला...

- कागजों में चमकते, ज़मीनी हकीकत में ढहते स्कूल
- बच्चों के क्लासरूम में दम तोड़ चुका है स्मार्ट सिटी का सपना?

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राज्य स्मार्ट सिटी योजना के तहत अयोध्या में 10 सरकारी स्कूलों को मॉडल बनाने का सपना चार महीने से धूल फांक रहा है। नगर निगम ने 2022-23 में इस प्रोजेक्ट पर 12 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई थी। दावा था बच्चों को मिलेंगी डिजिटल क्लासें, कंप्यूटर लैब, स्मार्ट फर्नीचर, हाईटेक टॉयलेट और सीसीटीवी से लैस सुरक्षित स्कूल। लेकिन हकीकत जगह-जगह अधूरी दीवारें, टूटे दरवाज़े, बंद कमरे, खंडहर बनते स्कूल और स्मार्ट क्लास में सड़ती निर्माण सामग्री।

ज़मीनी रिपोर्ट कार्ड...

काशीराम डायट स्कूल में स्मार्ट क्लास के भीतर ही सड़ रहा है सीमेंट। सहादतगंज स्कूल में तो काम शुरू ही नहीं हुआ,

(स्वराज इंडिया ग्राउंड रिपोर्ट)

क्लासरूम खंडहर में तब्दील। कटरा स्कूल में सिर्फ एक लाइट बोर्ड लगाकर स्मार्ट होने की औपचारिकता पूरी।अंगूरीबाग स्कूल, जिसे पीएम श्री स्कूल का दर्जा प्राप्त है, वहां का टूटा गेट और गिरी हुई बाउंड्रीवाल बता रही है, 'विकास' कितनी दूर है।

नगर निगम का दावा बनाम धरातल की सच्चाई

नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार कहते हैं 80प्रति काम पूरा हो गया है, बाकी जल्दी खत्म हो जाएगा।

लेकिन सवाल उठता है क्या यही 80प्रति है?अगर यह अधूरी दीवारें, बंद क्लास, और टूटा गेट 80प्रति हैं

तो शेष 20प्रति का इंतज़ार करना कितना खतरनाक होगा?

बता दे कि यह मामला महज लापरवाही का नहीं है यह बच्चों के भविष्य के साथ स्मार्ट लूट का संकेत है। अगर 12 करोड़ की परियोजना चार महीने से ठप पड़ी है, तो जवाबदेही किसकी?

सवाल सीधा है क्या स्मार्ट सिटी का सपना बच्चों के क्लासरूम में दम तोड़ चुका है? या फिर ये भी किसी अगली ऑडिट रिपोर्ट का हिस्सा बनने की तैयारी है?

स्मार्ट स्कूल की लिस्ट - नाम बड़े, काम अधूरे

कंपोजिट विद्यालय रामकोट
पूर्व माध्यमिक विद्यालय कटरा
कंपोजिट विद्यालय काशीराम डायट
कंपोजिट विद्यालय राम नगर
कंपोजिट विद्यालय सहादतगंज प्रथम
कंपोजिट विद्यालय अंगूरीबाग
कंपोजिट विद्यालय दर्शननगर
कंपोजिट विद्यालय धरमू का पुरवा
कंपोजिट विद्यालय डाभासेमर
उत्तर प्राथमिक विद्यालय मऊ शिवाला

स्वराज इंडिया यह सवाल पूछता है

अधूरी इमारतें क्या स्मार्ट सोच का प्रतीक हैं, या सरकारी सिस्टम की सुस्त रफ्तार का? क्या स्मार्ट स्कूल का मतलब अब सिर्फ बजट और टेंडर तक सीमित रह गया है?

शादी की झूठी कसमों में उलझाकर दो साल तक करता रहा दुराचार

विवाहित होते हुए भी बताया खुद को कुंवारा, नोएडा में एक महीने तक महिला के साथ रहा आरोपी

» मारपीट और गाली-गलौज के बाद पीड़िता ने मां संग एसपी कार्यालय में लगाई गुहार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के अकोड़ी गांव निवासी एक युवक ने महिला को शादी का झांसा देकर दो वर्षों तक शारीरिक शोषण किया। युवक ने खुद को अविवाहित बताकर पहले महिला से प्रेम संबंध बनाए, फिर शादी का वादा कर कई जगहों पर घुमाया। जब महिला ने विवाह के लिए दबाव बनाया, तो युवक मुकर गया।

महिला, जो बिरमा गांव की निवासी है और विधवा है, ने बताया कि आरोपी युवक ने पहले खुद को अविवाहित बताया और प्रेमजाल में फंसा कर शारीरिक संबंध बनाए। यहां तक कि नोएडा के मनेश्वर में वह महिला को एक महीने तक अपने साथ रखकर रहा। जब महिला ने शादी के लिए ज़ोर दिया तो युवक ने मना कर दिया। पीड़िता जब अकोड़ी गांव में युवक के घर पहुंची, तो वहां उसकी पत्नी और परिजनों ने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की।इसके बाद महिला अपनी मां के साथ एसपी कार्यालय पहुंची और न्याय की गुहार लगाई। पुलिस अधीक्षक ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भोगनीपुर पुलिस को जांच के बाद मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। थाना भोगनीपुर के उपनिरीक्षक वीरपाल सिंह ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

ट्रक-स्कॉर्पियो की आमने-सामने टक्कर, दिल्ली निवासी युवक की मौके पर मौत

» कौसम गांव के पास हुआ दर्दनाक हादसा, महिला सहित तीन गंभीर घायल

» भाग निकला ट्रक चालक, पुलिस ने दोनों वाहन किए जब्त

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र के कौसम गांव के पास सोमवार दोपहर करीब 2 बजे एक भीषण सड़क हादसा हुआ। दिल्ली के न्यू अशोक नगर निवासी 30 वर्षीय आदित्य सिंह की स्कॉर्पियो और ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत में मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, कार सवार एक महिला समेत तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में मृतक आदित्य का भाई आशुतोष सिंह, सैथा निवासी अक्षय बाजपेई और तनवी बाजपेई शामिल हैं।

सभी को तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। गजनेर थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा परिजनों को सूचित कर दिया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

39 साल बाद भगवान को मिली आज़ादी, थाने से निकलीं राम दरबार की मूर्तियां

» 1985 में चोरी हुई थीं अष्टधातु की मूर्तियां, 1986 में खेत से बरामद

» कोर्ट के आदेश के बाद ग्रामीणों की मौजूदगी में मंदिर को सौंपी गईं मूर्तियां

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात (डेरापुर)। हथूमा गांव स्थित ऐतिहासिक रामजानकी मंदिर से 1985 में चोरी हुई भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण की अष्टधातु की मूर्तियों को आखिरकार 39 साल बाद मुक्ति मिल गई। दशकों से थाने के मालखाने में कैद इन मूर्तियों को न्यायालय के आदेश पर शनिवार को मंदिर समिति को सौंप दिया गया।

डेरापुर थाने के मालखाने में वर्षों से रखी ये मूर्तियां उस वक्त जब्त की गई थीं, जब अप्रैल 1986 में एक खंडहर में बच्चों को उनका सिंहासन मिला और फिर खेत में पॉलिथीन में लिपटी मूर्तियां बरामद हुई थीं। मंदिर कमेटी की ओर से सर्वराकार राजाराम ने अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल किया था, जिस पर एसीजेएम तृतीय ने मूर्तियों को रिलीज़ करने का आदेश पारित किया। पुलिस ने ग्रामीणों की उपस्थिति में राम, सीता और लक्ष्मण की मूर्तियों को सौंप दिया। सर्वराकार राजाराम ने बताया कि अब भगवान की इन ऐतिहासिक मूर्तियों को गांव के रामजानकी मंदिर में धूमधाम से पुनः स्थापित किया जाएगा। इसके लिए विशेष धार्मिक आयोजन की तैयारी शुरू हो गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

बाढ़ में डूबे गांव, 40 से ज्यादा घरों में भरा पानी जनजीवन अस्त-व्यस्त

- हर साल लौटती है बर्बादी, ग्रामीण बोले सरकार ने नहीं उठाया कोई ठोस कदम
- ग्राम प्रधान और सचिवों ने डूबे घरों का किया निरीक्षण
- वैकल्पिक मार्ग व मुआवज़े की उठाई मांग

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजस्थान में हो रही भारी बारिश और कोटा बैराज से छोड़े गए पानी के चलते यमुना और सेंगुर नदियों का जलस्तर उफान पर है। इसका सीधा असर कानपुर देहात के भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के गांवों पर पड़ा है।मलासा विकासखंड के भरतौली और उसके मजरों सहित कम से कम 12 गांवों में बाढ़ ने तबाही मचा दी है। भरतौली समेत 40 से ज्यादा घरों में पानी घुस चुका है। ग्रामीण नावों के सहारे आवाजाही कर रहे हैं।

भरतौली, चपरघटा, मुसरिया, आढन पथार, क्योंटरा, कुंभापुर, नयापुरवा पड़ाव, धुंडा, चतुरीपुरवा, नगीना, चंदनामऊ, देवराहट जैसे गांवों के रास्ते पूरी तरह से डूब चुके हैं। कई जगहों पर 10 से 12 फुट तक पानी भरा है, जिससे ये गांव टापू जैसे बन गए हैं।सैकड़ों बीघा फसलें बाढ़ की चपेट में आ चुकी हैं। मवेशियों के लिए चारा संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीण दूसरे गांवों से भूसा ला रहे हैं।

वैकल्पिक रास्ता और मुआवजा

भरतौली के ग्राम प्रधान जगदीश निषाद ने बताया कि गांव की मुख्य सड़क पूरी तरह डूब चुकी है। उन्होंने प्रशासन से वैकल्पिक मार्ग और फसल क्षति के उचित मुआवजे की मांग की है।

प्रशासन की ओर से नावों की व्यवस्था की गई है, लेकिन वह नाकाफी साबित हो रही है। कुछ ग्रामीण निजी नावों के भरोसे ही अपने घरों तक पहुंच पा रहे हैं।

40 से अधिक लोगों को वितरित की राहत सामग्री

- प्रभारी मंत्री ने बाढ़ग्रस्त गांवों का नाव से किया निरीक्षण,
- प्रत्येक गांव में नाव, दवा, राशन और मुआवज़े की व्यवस्था के सख्त आदेश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राज्य के प्रभारी मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने फ्मेरी सरकार जनता के द्वारफ् अभियान के अंतर्गत भोगनीपुर तहसील के बाढ़ प्रभावित गांव चपरघटा व आढ़न का दौरा कर हालात का जायजा लिया। मंत्री ने नाव के ज़रिए क्षेत्र का निरीक्षण किया और बाढ़ पीड़ितों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रभावित परिवारों को समय से राशन, स्वच्छ पानी, दवा और ठहरने की उचित व्यवस्था सुलभ कराई जाए।

मंत्री ने कहा कि राहत शिविरों में साफ-सफाई, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा, शौचालय और विशेष रूप से बच्चों, वृद्धों व महिलाओं के लिए समुचित देखभाल सुनिश्चित की जाए। साथ ही पशुओं के लिए चारा और पशु चिकित्सा की व्यवस्था भी पूरी हो। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने 40 से अधिक पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित की, जिसमें राशन, बर्तन, मोमबत्ती, साबुन, नमक, मसाले, सैनिटरी पैड और तिरपाल आदि शामिल थे। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष सभी पीड़ितों को राहत किट घर-घर जाकर पहुंचाई जाए। डॉ. निषाद ने कहा कि जल स्तर में गिरावट आई है, लेकिन प्रशासन को अब पुनर्वास और राहत वितरण पर ज़ोर देना होगा। उन्होंने नाव की व्यवस्था, दवा छिड़काव, फसलों का सर्वे और मुआवज़े की प्रक्रिया को तेज़ी से पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को चेताया कि राहत कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष रेणुका सचान, पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र, सीडीओ लक्ष्मी एन., एडीएम वित्त एवं राजस्व दुष्यंत कुमार मौर्य, सीएमओ डॉ.एके सिंह, एसडीएम देवेंद्र सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

धार्मिक आयोजन

महर्षि दुर्वासा आश्रम में

शिव श्रृंगार और रामलीला की दिव्य छटा

» सैकड़ों श्रद्धालुओं ने झांकी और शोभायात्रा में लिया भाग, मंदिरों को दिया गया विशेष न्योता

» उत्तर भारत के नामचीन कलाकारों ने रामलीला का मंचन कर किया भावविभोर

सचिन सिंह चौहान / स्वराज इंडिया

कानपुर देहात, माती। विकासखंड सरवनखेड़ा मंगटा ग्राम पंचायत स्थित पौराणिक सिद्ध पीठ श्री दुर्वासा ऋषि आश्रम एवं श्री नारायण पुरी बाबा आश्रम में इस वर्ष भी धार्मिक आयोजन की दिव्यता देखते ही बन रही थी। शुक्रवार को श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ हुआ और रविवार को अखंड पाठ के समापन पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने गांव के प्रत्येक मंदिर को आमंत्रित करते हुए भव्य शोभायात्रा निकाली। बैंड-बाजों और डीजे की गूंज के बीच भक्तों ने गुलाल उड़ाकर वातावरण को आस्था से सराबोर कर दिया।

सोमवार को शिव श्रृंगार का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे आश्रम को फूलों से सजाया गया। बाबा भोलेनाथ की भव्य झांकी निकाली गई, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मान्यता है कि महर्षि दुर्वासा ने वर्षों तक इस तपोभूमि पर कठोर तप किया था। आज भी श्रद्धालु उनके चरण पादुकाओं की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।रात्रि में उत्तर भारत के प्रसिद्ध कलाकारों ने रामलीला का मंचन कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। रामजी की भूमिका में शशिकांत मिश्रा, परशुराम के रूप में सर्वेश त्रिवेदी और लक्ष्मण की भूमिका में अमरदीप अवस्थी नजर आए। कलाकारों ने बताया कि वे इस पावन स्थल पर आने का वर्षभर इंतजार करते हैं और अन्य कार्यक्रमों को ठुकराकर यहां उपस्थित होते हैं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री दुर्वासा ऋषि आश्रम सेवा समिति ट्रस्ट एवं ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन में रामेंद्र प्रताप सिंह, कन्हैया सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सूरज सिंह, अनुज शुक्ला, अतुल सिंह, सत्यम दुबे, प्रदुम सिंह, शिवनारायण सिंह, राहुल सिंह, गोविंदा सिंह, बेटन शुक्ला, सुधीर गौतम, छोटेबऊवा, शिवम बाजपेई, पुष्पेंद्र सिंह, मोनू सिंह आदि का विशेष योगदान रहा।

तिरंगे संग मलासा में गूंजा भारत माता का जयकारा

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व बीडीओ और कर्मचारियों ने निकाली जोशीली तिरंगा यात्रा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर मलासा ब्लॉक मुख्यालय पर राष्ट्रभक्ति की शानदार मिसाल देखने को मिली। बीडीओ संजय कुमार कनौजिया के नेतृत्व में ब्लॉक कर्मियों, ग्राम प्रधानों और स्थानीय नागरिकों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की के नारों के साथ तिरंगा यात्रा निकाली।

डीएम कपिल सिंह और सीडीओ लक्ष्मी नागप्पन के निर्देशानुसार निकाली गई यह यात्रा ब्लॉक मुख्यालय से प्रारंभ होकर गांव के भीतरी हिस्सों से होती हुई पुन: ब्लॉक परिसर में समाप्त हुई। बीडीओ संजय कुमार कनौजिया ने उपस्थित लोगों से हर घर तिरंगा अभियान के तहत अपने घरों,

प्रतिष्ठानों और सरकारी भवनों पर तिरंगा फहराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी लाखों वीरों की कुर्बानी का नतीजा है और अब उस आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि हर नागरिक को हर घर तिरंगा वेबसाइट पर तिरंगे के साथ सेल्फी अपलोड करनी चाहिए। इस अवसर पर एडीओ आईएसबी अमित पाण्डेय, ग्राम सचिव रिंकल सिंह, आदित्य सिंह सहित कई अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

शिवली थाने के नए प्रभारी प्रवीण यादव ने संभाला कार्यभार

» मीडिया से कहा कि – अपराधी या तो अपराध छोड़ें, नहीं तो जाएं जेल!

शंकर सिंह स्वराज इंडिया

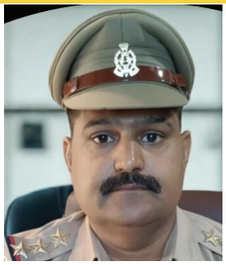

कानपुर देहात। गजनेर से स्थानांतरित होकर प्रवीण कुमार यादव ने आज शिवली थाने के प्रभारी का पदभार संभाल लिया।

पदभार ग्रहण के बाद प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि हर फरियादी को बिना किसी बिचौलिए के न्याय मिलेगा और थाना आमजन के लिए हमेशा खुला रहेगा।प्रभारी यादव ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था को प्राथमिकता बताते हुए कहा कि सक्रिय अपराधियों पर विशेष अभियान चलेगा। उन्होंने व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर क्षेत्र की समस्याओं को हल करने की बात भी कही।

बाढ़ से तबाही, मंत्री बोले: 'गंगा मैया पांव धोने आई हैं'

बाढ़ पीड़ितों के जख्मों पर नमक छिड़कते दिखे मंत्री संजय निषाद, बुजुर्ग महिला का तीखा जवाब वायरल

अनूप अवस्थी, स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश में बाढ़ ने कई जिलों में कहर बरपा रखा है। कानपुर देहात, इटावा, औरैया, जालौन, प्रयागराज जैसे जिलों में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। ऐसे हालात में जब सरकार की टीम इलेवन राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा के लिए मैदान में उतरी है, वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट के कुछ मंत्री अपने बयानों से विवादों में घिरते जा रहे हैं।

पुत्रों के पास गंगा आई हैं-मंत्री संजय निषाद का अजीब बयान

संजय निषाद-मंत्री राज्य सरकार यूपी

ताज़ा मामला कानपुर देहात के भोगनीपुर क्षेत्र का है, जहां निषाद पार्टी के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री संजय निषाद सोमवार को बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा करने पहुंचे थे। यहां जब ग्रामीणों ने अपनी तबाही, मवेशियों की मौत और राशन की कमी की बात कही, तब मंत्री जी ने कहा- ये आप सबका सौभाग्य है कि मां गंगा इस बार गंगा पुत्रों के पास आई हैं... गंगा मैया पांव धोने आती हैं... जो डूबता है, वह सीधा स्वर्ग जाता उनके इस बयान ने न सिर्फ वहां मौजूद लोगों को झकझोर दिया, बल्कि सोशल मीडिया पर भी तीखी प्रतिक्रिया शुरू हो गई।

हकीकत -तबाही यमुना से, मंत्री जी गंगा का नाम ले बैठे

बात यहीं नहीं रुकी। मंत्री जी निरीक्षण के दौरान यह भी भूल गए कि जिस नदी ने तबाही मचाई है, वह गंगा नहीं बल्कि यमुना है। जबकि प्रशासनिक रिपोर्ट के अनुसार, यमुना नदी का जलस्तर कानपुर देहात में 3.74 मीटर खतरे के निशान से ऊपर है। कई गांव जलमग्न हो चुके हैं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है।

बीजेपी जिला अध्यक्ष को बुजुर्ग महिला का जवाब तुम भी यहीं रहो, दर्शन करो

मंत्री के साथ मौजूद भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष रेणुका सचान ने भी एक बुजुर्ग महिला से कहा आप यमुना मईया के दर्शन कर रही हैं, बहुत सौभाग्यशाली हैं। इस पर बुजुर्ग महिला ने तंज कसते हुए जवाब दिया

सरकार की संवेदनहीनता पर सवाल खड़े कर रहा है।

इससे पहले जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के सामने बाढ़ पीड़ितों ने शिकायत की थी कि उन्हें बासी खाना दिया जा रहा है। यह शिकायत एक सार्वजनिक सभा में की गई, जिससे प्रशासनिक दावों की पोल खुल गई।लोगों की जान हलक में है और मंत्री उन्हें स्वर्ग का रास्ता दिखा रहे हैं।

वीरसेन यादव, सपा नेता

बाढ़ पीड़ितों को राहत नहीं, 'सौभाग्य' का भाषण मिला

उत्तर प्रदेश में बाढ़ राहत का जायज़ा लेने गए मंत्री अब जनता के आक्रोश का सामना कर रहे हैं। कहीं बासी खाने की शिकायत है, तो कहीं नेताओं की 'असंवेदनशील टिप्पणियों' लोगों को और आहत कर रही हैं।

एएनएम ने तोड़ डाली मानवीय संवेदनाओं की सारी हदें

» चार हजार रुपये के लिए नवजात को मां से छीना

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बड़ागांव में कार्यरत संविदा की एएनएम शालिनी सिंह ने मानवीय संवेदनाओं को तार तार कर दिया। उसने एक प्रसूता से उसके नवजात शिशु को इस लिए छीन लिया कि जबतक चार हजार रुपये नहीं मिलेंगे नवजात शिशु को नहीं देंगे। हार कर परिजनों ने चार हजार रुपये देकर नवजात को एएनएम से छुड़वाया।

प्रसव पीड़ति रुदौली तहसील के राम सरन दासपुर निवासी गीता पत्नी मंजीत ने डीएम से की गई शिकायत में एएनएम शालिनी सिंह पर चार हजार रुपये सुविधा शुल्क की मांग करने व नवजात को छीन लेने व बाजार से दवा की खरीद कराने का आरोप लगाया है। डीएम के निर्देश के बाद सीएमओ ने संविदा एएनएम के विरुद्ध लगाए गए आरोपों की जांच लगा दी है। तीन सदस्यीय जांच कमेटी मामले की जांच करेगी। जांच टीम में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा वेद प्रकाश त्रिपाठी को अध्यक्ष व सोहावल सीएचसी अधीक्षक डा फातिमा हसन व प्रशासनिक अधिकारी बृजेश कुमार मिश्र को सदस्य नामित किया गया है।

जातिवादी गठबन्धनों से बसपा कोसों दूर है: मायावती

मीडिया के एक वर्ग पर झूठ फैलाने और राजनीतिक साजिश के आरोप

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बहन मायावती ने सोमवार को स्पष्ट शब्दों में कहा कि बसपा किसी भी जातिवादी गठबन्धन का हिस्सा नहीं है। उन्होंने साफ़ किया कि न तो उनकी पार्टी भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का हिस्सा है और न ही कांग्रेस पोषित 'इंडिया' गठबंधन से उसका कोई लेना-देना है।

मायावती ने कहा कि बसपा ना केवल एनडीए और इंडिया गठबंधन से अलग है, बल्कि वह हर उस राजनीतिक धड़े से दूर है जो जातिवादी राजनीति को बढ़ावा देता है। हमारी पार्टी सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की बाबासाहेब अंबेडकरवादी विचारधारा पर चलने वाली है।

मीडिया पर तीखा हमला, झूठी खबरों का आरोप

बहन मायावती ने एक प्रसिद्ध टीवी न्यूज चैनल का नाम लेते हुए अपने एक्स (पूर्व ट्विटर) हैंडल से पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि चैनल ने बसपा की छवि को धूमिल करने के लिए बीजेपी के साथ आ गयी मायावती, कर दिया बड़ा ऐलान! जैसी भ्रामक, तथ्यहीन और षड्यंत्रकारी खबर चलाई।उन्होंने कहा कि इस प्रकार की खबरें दलित और वंचित वर्गों की राजनीति को कमजोर करने के उद्देश्य से फैलाई जा रही हैं।

न्यूज चैनल ने हेडलाइन में कुछ और दिखाया, जबकि अंदर की खबर में कोई ठोस तथ्य नहीं था। ये पत्रकारिता नहीं, एक सुनियोजित राजनीतिक साजिश है, मायावती ने दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के प्रति पूर्वग्रह से ग्रसित कुछ मीडिया हाउस पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि ये मीडिया संस्थान बार-बार बसपा की छवि को खराब करने की कोशिश करते हैं और पार्टी को नुकसान पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ते।

बसपा समर्थकों को चेतावनी और अपील

मायावती ने अपने समर्थकों से अपील करते हुए कहा किबसपा के कार्यकर्ता और समर्थक इन जातिवादी और भ्रामक मीडिया खबरों से सावधान रहें। ये वही तत्व हैं जो हमारे अंबेडकरवादी आंदोलन को कमजोर करने के प्रयास में लगे रहते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी ऐसे झूठ फैलाने वालों के विरुद्ध कानूनी और सामाजिक स्तर पर उचित कार्रवाई करेगी, और जनता के बीच सतर्कता बनाए रखेगी।मायावती ने कहा कि हम अपने सिद्धांतों से न कभी समझौता करते हैं, न किसी गठबन्धन की बैसाखी पर चलते हैं। बसपा, अपने बलबूते समाज के हर कमजोर तबके की आवाज़ बनी है और बनी रहेगी।

‘महाराष्ट्र में मराठी बनाम गैर-मराठी तनाव नहीं’

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि राज्य में मराठी और गैर-मराठी के बीच कोई तनाव नहीं है तथा दोनों में किसी के भी साथ कोई अन्याय नहीं हो रहा है। फडणवीस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे को भाषा से जुड़े भावनात्मक मुद्दे में न पड़ने की सलाह भी दी। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य में भाषा को लेकर विवाद राजनीतिक कारणों से पैदा किया जा रहा है।

महाराष्ट्र में भाषा के मुद्दे पर दुबे की ओर से पिछले महीने की गई विवादास्पद टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने अपने पार्टी सहयोगी को सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि झारखंड से सांसद दुबे को ‘मराठी बनाम गैर-मराठी’ मुद्दे में नहीं पड़ना चाहिए, जिसे राजनीतिक कारणों से खड़ा किया जा रहा है। फडणवीस ने कहा, हम इससे निपटने में सक्षम हैं। यहां मराठी और गैर-मराठी के बीच कोई तनाव नहीं है। दोनों में से किसी के भी साथ कोई अन्याय नहीं हो रहा है।

ट्रंप को भारत का करारा जवाब

हमारी आलोचना करने वाले देश खुद कर रहे रूस के साथ व्यापार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की भारत पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी के बाद विदेश मंत्रालय ने करारा जवाब दिया है। भारत ने तेल आयात को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की है। भारत ने कहा है कि यह उपभोक्ताओं के हित में है। आलोचना करने वाले देश पहले खुद को देखें।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ वाली धमकी पर भारत ने कड़ा जवाब दिया है. भारत ने कहा है कि आरोप लगाने वाले देश पहले खुद को देखें। भारती विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि आलोचना करने वालों का रूस के साथ व्यापार को लेकर कैसे तकलीफ हो रही है जबकि यूरोपियन यूनियन का रूस से 67.5 बिलियन यूरो का व्यापार है।

दरअसल, ट्रंप ने भारत को एक बार फिर टैरिफ की धमकी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत पर और टैरिफ बढ़ाएंगे। ट्रंप इससे पहले 25 फीसदी टैरिफ का ऐलान कर चुके हैं। इसके अलावा ट्रंप ने ये भी कहा कि भारत सस्ता तेल खरीदकर रूस की मदद कर रहा है। इन्ही बातों को लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय ने जवाब दिया है।

आरोप लगाने वाले देश पहले खुद को देखें

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने रूस से आयात इसलिए शुरू किया क्योंकि जंग शुरू होने के बाद तेल की आपूर्ति यूरोप की ओर मोड़ दी गई थी। उस समय, अमेरिका ने वैश्विक ऊर्जा बाजार की स्थिरता को मजबूत करने के लिए भारत द्वारा इस तरह के आयात को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया था। मंत्रालय ने आगे कहा कि भारत के आयात का उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं के लिए अनुमानित और किफायती ऊर्जा लागत सुनिश्चित करना है।

2024 में ईयू का रूस से 67.5 बिलियन का व्यापार

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि 2024 में यूरोपीय संघ का रूस के साथ द्विपक्षीय व्यापार 67.5 बिलियन यूरो था। इसके अलावा 2023 में ट्रेड का व्यापार 17.2 बिलियन यूरो था। यह उस साल या उसके बाद रूस के साथ भारत के कुल व्यापार से काफी ज्यादा है। 2024 में यूरोपीय एलएनजी का आयात रिकॉर्ड 16.5 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो 2022 के 15.21 मिलियन टन के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया।

यूरोप-रूस ट्रेड में केवल एनर्जी ही नहीं, ये सब भी

भारत ने कहा कि यूरोप-रूस ट्रेड में केवल एनर्जी ही नहीं, बल्कि फर्टिलाइजर, माइनिंग प्रोडक्ट, केमिकल, आयरन एंड स्टील, मशीनरी और परिवहन ट्रांसपोर्ट भी शामिल हैं। जहां तक अमेरिका का सवाल है, वह अपने रूस से यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, अपने इलेक्ट्रिक वाहन इंडस्ट्री के लिए पैलेडियम, फर्टिलाइजर और केमिकल आयात करता रहता है। इसलिए भारत को निशाना छोड़ दें।

तीखे सवाल

फारूक अब्दुल्ला ने फिर दिया विवादित बयान

‘आतंकवाद न खत्म हुआ था और न ही होगा’

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

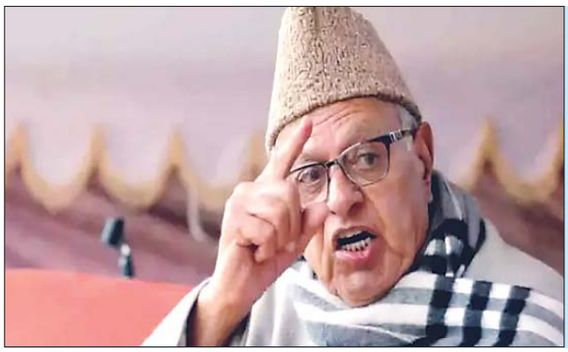

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के प्रमुख डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के छह साल पूरे होने पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस देने की समय सीमा के बारे में पूछा। उन्होंने बीजेपी सरकार से अपना वादा पूरा करने को कहा। साथ ही उन्होंने राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव कराने और लोगों को अपनी समस्याओं के बारे में बोलने के अधिकार से वंचित न करने का आग्रह किया। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि आतंकवाद खत्म नहीं होगा। जो लोग मानते हैं कि आतंकवाद खत्म हो जाएगा, मैं उन्हें इसी वक्त चुनौती देता हूं। जब तक हमारे पड़ोसियों के साथ हमारे रिश्ते बेहतर नहीं हो जाते, तब तक आतंकवाद खत्म नहीं होगा। इस दौरान अब्दुल्ला ने बेरोजगारी, बढ़ती कीमतों और अन्य मुद्दों पर भी सरकार से सवाल पूछे।

युद्ध कोई रास्ता नहीं है-अब्दुल्ला : घाटी में शांति लाने की केंद्र की कोशिशों पर अब्दुल्ला ने कहा कि संघर्ष से बाहर निकलने का रास्ता खोजने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मुझे शांति आती नहीं दिख रही है। मुझे लगता है कि हम यह सोचकर मूर्खों के स्वर्ग में जी रहे हैं कि रातोंरात शांति आ जाएगी। हमारे पास एक मजबूत पड़ोसी है। चाहे वह चीन हो या पाकिस्तान। किसी तरह हमें एक रास्ता खोजना होगा। युद्ध कोई रास्ता नहीं है। अंत में आपको एक कलम का उपयोग करना होगा और चीजों पर चर्चा करनी होगी। इससे हमें क्या नुकसान होता है?कुलगाम एनकाउंटर पर फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मुझे बहुत दुख होता है कि हम जिस तरह से जा रहे हैं और इस राष्ट्र के भविष्य के बारे में। उन्होंने केंद्र सरकार के इस दावे पर सवाल उठाया कि जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी शिविरों को उखाड़ फेंका गया है। उन्होंने पूछा कि अगर ऐसा था तो कुलगाम एनकाउंटर कैसे हो रहा है।

केंद्र सरकार से पूछे सवाल

इस पूरे मामले में फारूक अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार से कई तीखे सवाल पूछे हैं। उन्होंने राज्य का दर्जा बहाल करने, राज्यसभा चुनाव कराने और घाटी में शांति स्थापित करने के प्रयासों पर सरकार से जवाब मांगा है। उन्होंने बेरोजगारी और बढ़ती कीमतों के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा है। फारूक अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार से पूछा कि जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा कब वापस मिलेगा? उन्होंने बीजेपी सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया।

सिर्फ 2 घंटा लगेगा दर्शन में

तिरुमाला में भीड़ होगी एआई से मैनेज

आंध्र प्रदेश तिरुपति। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए एक नई पहल की घोषणा की है। इस योजना के तहत क्राउड मैनेजमेंट में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई का इस्तेमाल किया जाएगा। इसका उद्देश्य मंदिर में दर्शन के वेटिंग टाइम को मौजूदा 8 से 12 घंटे से घटाकर दो घंटे से कम करना है। एक ओर टीटीडी अध्यक्ष बीआर नायडू इस कदम को भविष्य की दिशा में उठाया गया आवश्यक और तार्किक कदम मानते हैं।